UNIT 2: उपभोक्ता व्यवहार और मांग (पार्ट 2)

उदासीनता वक्र विश्लेषण- उपभोक्ता संतुलन

उदासीनता/ तटस्थता/ अनाधिमान वक्र

उदासीनता वक्र वह वक्र है जिसका प्रत्येक बिंदु दी हुई वस्तुओं के ऐसे संयोगों को बताता है जिससे किसी उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त होती है

उदासीनता वक्र पर अंकित प्रत्येक बिंदु उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्रदान करने वाली दो वस्तुओं के अनेक संयोगों को व्यक्त करता है।

उदासीनता वक्रों को सम संतुष्टि वक्र (Iso utility CURVE) भी कहा जाता है।

उदासीनता वक्र सूची (Indifference Schedule)

उदासीनता वक्र विश्लेषण के अंतर्गत उपभोक्ता को दो या दो से अधिक उपभोग वस्तुओं की पसंदगी अथवा अनुराग क्रम के आधार पर समान संतुष्टि प्राप्त करने वाले संयोगों की एक सूची तैयार की जाती है जिसे उदासीनता सूची कहते है।

संयोग क्रम	वस्तु X	वस्तु Y
A	1	20
B	2	14
C	3	10
D	4	8

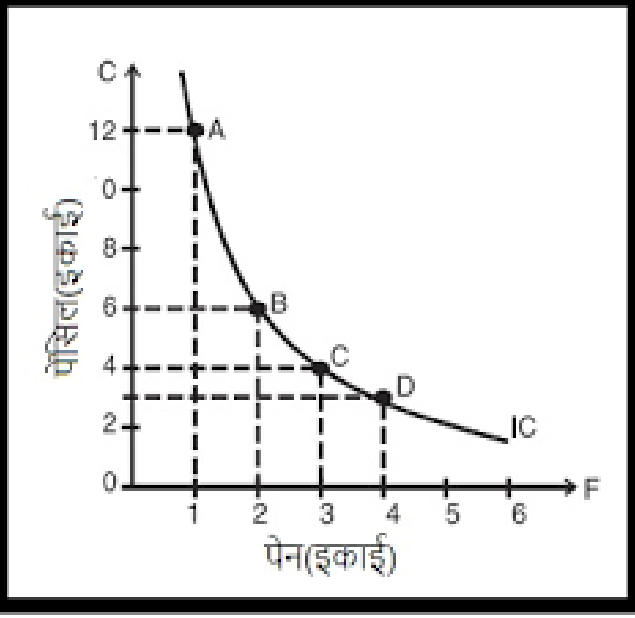

उदासीनता मानचित्र (Indifference Map)

एक उदासीनता वक्र पर उपभोक्ता को एक समान संतुष्टि स्तर प्राप्त होता है।

एक उपभोक्ता के एक नही वरन अनेक उदासीनता वक्र हो सकते हैं।

प्रत्येक अलग उदासीनता वक्र पर संतुष्टि का अलग स्तर होता है।

इस प्रकार अनेक संतुष्टि स्तरों को दर्शाने वाले अनेक उदासीनता वक्र मिलकर उदासीनता मानचित्र बनाते है।

चित्र:

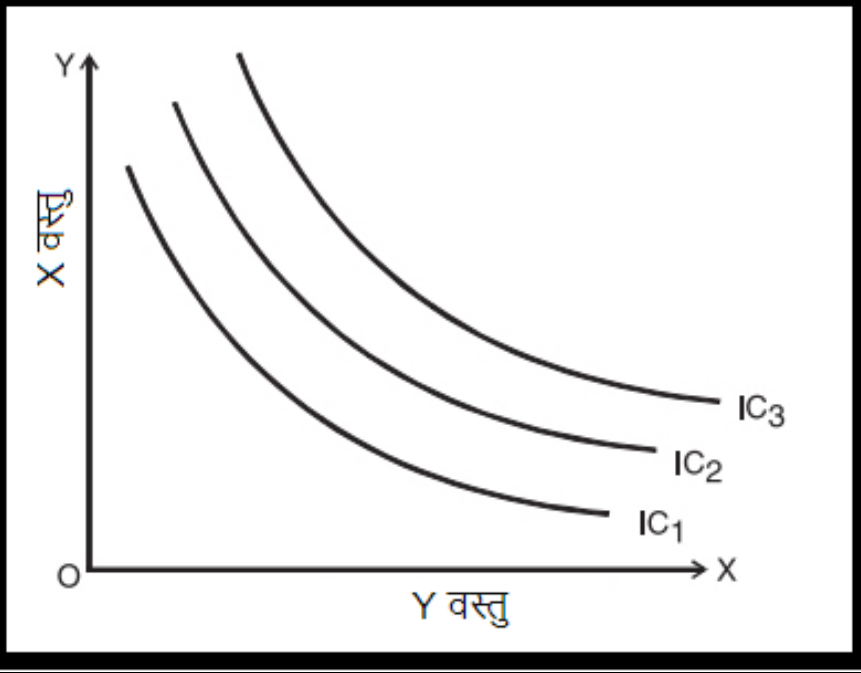

उदासीनता वक्रों को प्रकृति/ विशेषताएं:

1. उदासीनता वक्र बाएं से दाएं नीचे की ओर गिरता हुआ होता है
2. उदासीनता वक्र मूल बिंदू की ओर उन्नतोदर होते हैं
3. दो उदासीनता वक्र एक दूसरे को काटते
4. ऊंचे उदासीनता वक्र संतुष्टि के ऊंचे स्तर को व्यक्त करते हैं

सीमांत प्रतिस्थापन दर (Marginal Rate of Substitution)

जिस दर पर कोई व्यक्ति एक वस्तु की अतिरिक्त इकाइयों को दूसरी वस्तु की अतिरिक्त इकाइयों के साथ बदलने के लिए तैयार हो जाता है, उस दर को सीमांत प्रतिस्थापन दर कहते है।

X की Y के लिए सीमांत प्रतिस्थापन दर Y की वह मात्रा होगी जो X की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए घटायी जाती है जिससे कि उपभोक्ता का संतोष पहले के ही समान बना रहे।

MRSxy= Y वस्तु की मात्रा में कमी/ X वस्तु की मात्रा में वृद्धि

उदाहरण:

सेब (वस्तु X)	संतरा (वस्तु Y)	X की Y के लिए MRSxy
1	20	-
2	14	6:1
3	10	4:1
4	8	2:1
5	7	1:1

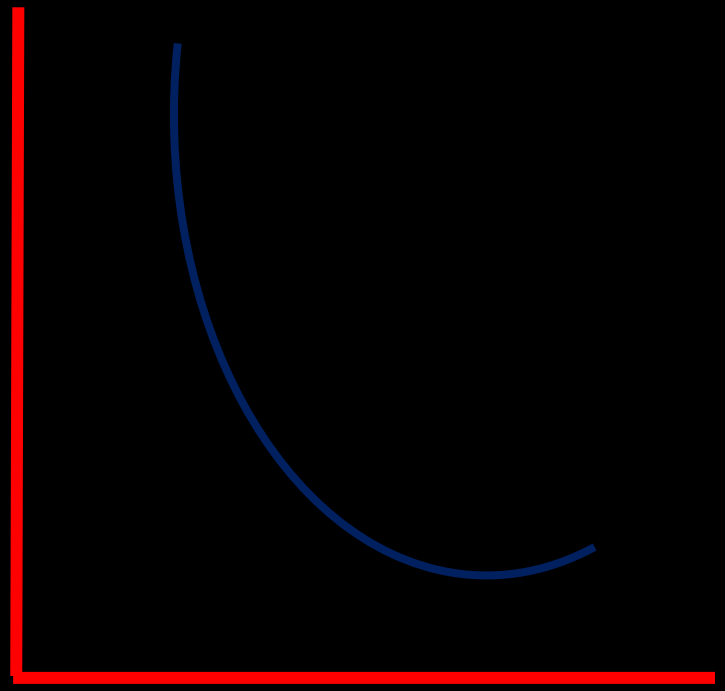

घटती हुई सीमांत प्रतिस्थापन दर

(Diminishing Marginal Rate of Substitution)

इस नियम के अनुसार किसी व्यक्ति के पास एक वस्तु की जितनी मात्रा बढ़ती जाती है, वह दूसरी वस्तु का इस वस्तु के लिए प्रतिस्थापन, घटती दर पर करता जायेगा।

एक दिष्ट अधिमान (Monotonic Preference)

एक दिष्ट अधिमान से मतलब है कि एक विवेकशील उपभोक्ता एक वस्तु की अधिक मात्रा को हमेशा वरीयता देता है क्योंकि यह उसे संतुष्टि का उच्च स्तर प्रदान करती है।

साधारण शब्दों में एक दिष्ट अधिमान के अनुसार जब उपभोग बढ़ता है तो कुल उपयोगिता भी बढ़ती है।

कीमत रेखा या बजट रेखा
(Price Line or Budget Line)

कीमत रेखा दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को व्यक्त करती है जो उपभोक्ता अपनी दी हुई आय एवं वस्तुओं की वर्तमान कीमत के आधार पर खरीद सकता है।

बजट सेट (Budget Set)

बजट सेट दो वस्तुओं के उन सभी संयोगों का सेट होता है जिन्हें एक उपभोक्ता अपनी दी गई आय और बाजार में कीमतों के अनुसार खरीद सकता है।

बजट रेखा समीकरण

$$M = Q1P1 + Q2P2$$

संयोग	वस्तु X	वस्तु Y	व्यय की मुद्रा = आय (Y)
E	5	0	5×4+0×2= 20
F	4	2	4×4+2×2=20
G	3	4	3×4+4×2=20
H	2	6	2×4+6×2=20
I	1	8	1×4+8×2=20
J	0	10	0×4+10×2=20

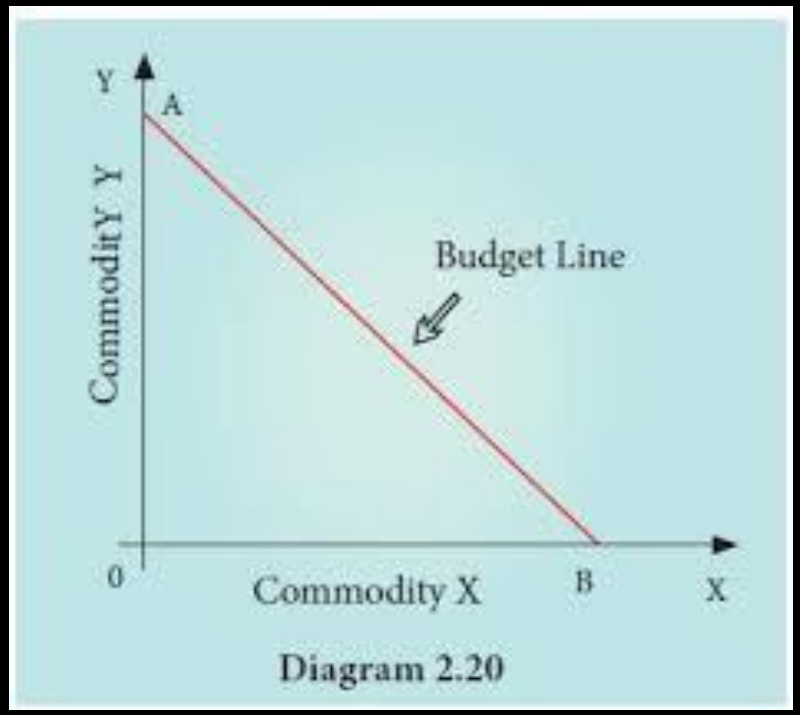

Diagram 2.20

बजट रेखा को विशेषताएं:

- बजट रेखा नीचे की ओर गिरती हुई होती है
- बजट रेखा एक सरल रेखा होती है

बजट रेखा में परिवर्तन:

1. आय में परिवर्तन के कारण
2. वस्तु की कीमत में परिवर्तन के कारण

उदासीनता वक्र विश्लेषण की सहायता से उपभोक्ता का संतुलन (Consumer's Equilibrium by Indifference Curve Analysis)

एक उपभोक्ता उस समय संतुलन की अवस्था में होता है जब अपनी सीमित आय आय की सहायता से वास्तुओं को उनकी दी गई कीमतों पर खरीदकर अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करता है ।

उपभोक्ता की कीमत रेखा उसकी आय एवं उपभोग वस्तुओं के कीमतों से निर्धारित होती है ।

इस कीमत रेखा के साथ उपभोक्ता ऊँचे से ऊँचे उदासीनता वक्र तक पहुँचने का प्रयास करता है ।

उदासीनता वक्र विश्लेषण में उपभोक्ता के संतुलन की दो शर्तें है -

1. <u>उदासीनता वक्र कीमत रेखा को स्पर्श करें -</u>

अर्थात मात्रात्मक रूप में X वस्तु की Y वस्तु के लिए सीमांत प्रतिस्थापन दर X और Y वस्तुओं की कीमतों के अनुपात के बराबर होनी चाहिए ।

MRSxy = Px / Py

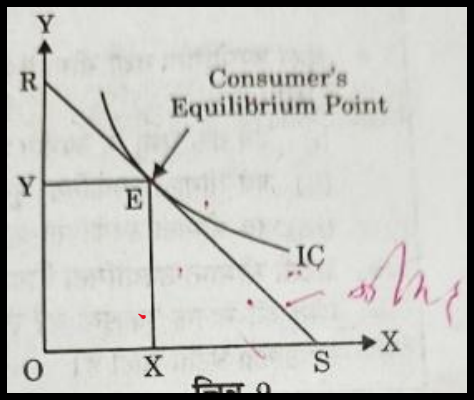

2. स्थायी संतुलन के लिए संतुलन बिंदु पर उदासीनता वक्र मूल बिंदु की ओर उन्नतोदर होनी चाहिए । अर्थात संतुलन बिंदु पर MRS घटती हुई होनी चाहिये ।

-

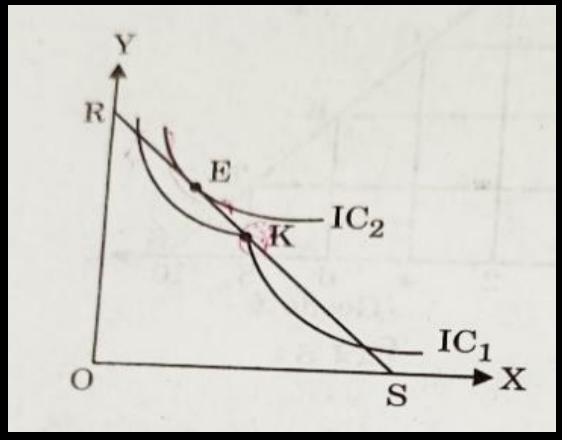

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND ***SHARE*** THE CLASS LINK

SUBSCRIBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

WhatsApp/ 7830010683

FOLLOW ME ON INSTAGRAM/theeconomicsguru

FOLLOW ME ON FACEBOOK / Nakul Dhali